वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 91 | शनिवार 29 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

अब तक 47.1% ज्यादा बारिश, गर्मी से राहत

फलौदी में 4.3, सीकर में 3.7 इंच पानी बरसा, 135 बांध फुल.... मौसम विभाग ने कहीं ये बात

जयपुर. कासं

ओडिशा के आसपास कम दबाव का क्षेत्र बनने, पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से प्रदेश में बीते चौबीस घंटे में सीकर, फलौदी, चित्तौड़गढ़, कोटा, अलवर, अजमेर में जोरदार बारिश हुई। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में अब मानसून 29 जुलाई से 1 अगस्त के बीच सुस्त रहने के आसार हैं। हालांकि इस दौरान भरतपुर, जयपुर व कोटा संभाग के कुछ भागों में बारिश होगी। शेष प्रदेश में बारिश की गतिविधियां कम रहेंगी। 2 अगस्त से फिर सक्रिय होगा। प्रदेश में अब तक 361.24. मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य से 47.1% ज्यादा है। प्रदेश के बांधों में कुल क्षमता के मुकाबले 8125.48 एमक्यूएम पानी की आवक हुई है, जो 64.59 प्रतिशत है। कुल 690 बांधों में से 135 बांध फुल हैं। 184 खाली हैं, 371 में आंशिक पानी है। मानसून की मेहरबानी के चलते गर्मी से भी राहत है।

जेपी नड्डा कल आएंगे जयपुर: परिवर्तन यात्रा का रूट व चेहरे हो सकते हैं फाइनल, दिनभर चलेगा बैठकों का दौरा

जयपुर. कासं

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शनिवार को जयपुर आ रहे हैं। नड्डा सुबह 10 बजे जयपुर पहुंचेंगे। एयरपोर्ट से सीधे बीजेपी कार्यालय आएंगे। वे दिनभर बीजेपी कार्यालय में बैठकें लेंगे। इसके बाद शाम को दिल्ली लौट जाएंगे। नड्डा अपने एक दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पूरे समय बीजेपी कार्यालय में ही रहेंगे। इस दौरान वे कोर कमेटी, प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक के साथ-साथ वरिष्ठ नेताओं से अकेले में भी चर्चा कर सकते हैं। विधानसभा चुनावों के मद्देनजर नड्डा की यह बैठक काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बैठक में विधानसभा चुनावों को लेकर आगामी रणनीति पर चर्चा होगी। इसके साथ ही बीजेपी के द्वारा निकाली जाने वाली परिवर्तन यात्रा का रूट व

चेहरे भी नड्डा फाइनल कर सकते हैं। गौरतलब है कि इसी माह 9 व 10 जुलाई को बीजेपी की सवाई माधोपुर में विजय संकल्प बैठक में प्रदेश में परिवर्तन यात्राएं निकालने का कार्यक्रम तय हुआ था। यह दो दिवसीय बैठक भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने ली थी। अभी तक के कार्यक्रम के अनुसार बीजेपी प्रदेश में तीन परिवर्तन यात्राएं निकालेगी। इसमें एक यात्रा डूंगरपुर के बेणेश्वरधाम से, दूसरी हनुमानगढ़ के गोगामेड़ी और तीसरी सवाईमाधोपुर के त्रिनेत्र गणेश मंदिर से निकालना तय हुआ हैं। लेकिन इन यात्राओं का रूट क्या रहेगा। प्रदेश के कौन-कौन से नेता इन यात्राओं का नेतृत्व करेंगे। इसे संभवत कल फाइनल किया जा सकता हैं।

13 दिन में दूसरी बार जयपुर आ रहे नड्डा

जेपी नड्डा इससे पहले 16 जुलाई को जयपुर आए थे। यहां उन्होंने प्रदेश भाजपा के नहीं सहेगा राजस्थान अभियान की शुरूआत की थी। जयपुर के बीलवा में जेपी नड्डा की सभा आयोजित हुई थी। वहीं कल फिर से जेपी नड्डा जयपुर आ रहे हैं। नहीं सहेगा राजस्थान अभियान पूरे राजस्थान में चल रहा है। 1 अगस्त को जयपुर में बड़े प्रदर्शन के साथ यह अभियान समाप्त होगा। ऐसे में कल की बैठक में आगे के अभियान व आंदोलन की रुपरेखा भी तय हो सकती हैं।

बदहाली की दास्तान

रखरखाव के अभाव और मौसम के प्रभाव का दिख रहा असर

शाबाश इंडिया। उदयपुर के समीप हवाला स्थित शिल्पग्राम का कला परिसर इन दिनों बदहाली की दास्तान सुनाता प्रतीत होता है। कलांगन में पिछले वर्षों निर्मित हुई कई पाषाण शिल्प आकृतियां धूल धूसरित हो रही है तो कहीं डेकोरेटिव आयटम उपेक्षित पड़े हैं। माना कि बारिश के मौसम झोपड़ियों को जीर्ण शीर्ण कर बदरंग बना रहा है लेकिन परिसर में यत्र यत्र खुले बिजली के तार पर्यटकों, खास कर छोटे बच्चों की जान जोखिम में डालने का काम कर रहे हैं। कई जगह पर्यटकों ने मनमाने तरीके से शिल्प आकृतियों को तोड़ दिया है, ऐसे में लगता है परिसर में तैनात गार्ड मुस्तैद नहीं हैं या फिर लाखों रुपए खर्च कर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे व्यर्थ ही धूल फांक रहे हैं। रिपोर्ट/फोटो : राकेश सोनी

हाड़ा लोजपा के जिलाध्यक्ष मनोनीत

उदयपुर. शाबाश इंडिया। लोक जनशक्ति पार्टी (रा) राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष सूरज कमार बुराहड़िया ने दिनेश हाड़ा को उदयपुर जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। बुराहड़िया ने बताया कि दिनेश हाड़ा जिला तैलिक साहू महासभा में जिला प्रवक्ता का दायित्व संभाल रहे हैं और लम्बे समय से सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय हैं। हाड़ा को जिलाध्यक्ष पद पर मनोनयन के साथ ही उन्हें उदयपुर में संगठन की कार्यकारिणी के गठन व अन्य गतिविधियों को गति प्रदान देने के निर्देश भी दिए गए हैं। **रिपोर्ट दिनेश शर्मा**

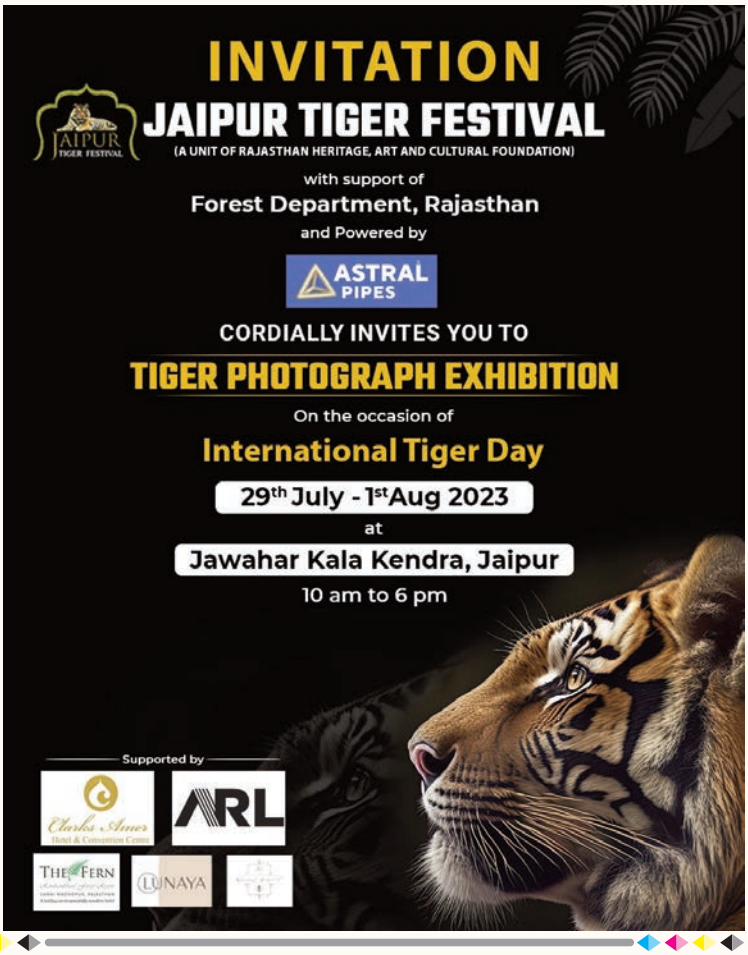

प्रजापति समाज के प्रतिभा सम्मान समारोह और वार्षिक मेले को लेकर बैठक आयोजित

अर्पित जैन. शाबास इंडिया

भैंसलाना, जयपुर। कस्बे के प्रजापति समाज शिव मन्दिर सेवा समिति भैसलाना की बैठक शुक्रवार को प्रजापति धर्मशाला में समिति के अध्यक्ष बजरंग लाल प्रजापति की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में आगामी 7 अगस्त 2023 को होने जा रहे प्रजापति समाज के प्रतिभा सम्मान समारोह व वार्षिक मेले की जिम्मेदारियां समाजबंदूओ को सौंपी गई।युवा समाजसेवी प्रकाश प्रजापत भैंसलाना ने जानकारी देते हुए बताया की 7 अगस्त 2023 को आयोजित होने वाले प्रजापति समाज के प्रतिभा सम्मान समारोह व वार्षिक मेले को लेकर बैठक आयोजित की गई जिसमे समाजबंदूओ को मेले को लेकर जिम्मेदारियां सौंपी गई। जिसमे टेंट,भोजन व्यवस्था,साउंड एवं मंच संचालन व आने वाले समाज बंधुओ व अतिथियों की स्वागत आदि की जिम्मेदारियां सम्मलित थी।वही मेले के अवसर पर देवयानी सरोवर से पवित्र जल लेकर आने वाली नवी कावड़ यात्रा की व्यवस्था को लेकर भी जिम्मेदारियां सौंपी गई। इस दौरान समिति संरक्षक सुरेन्द्र प्रजापति, कालूराम प्रजापति, महामंत्री जयनारायण प्रजापति, संयोजक सीताराम प्रजापति,छीतर भैसलाना, छीगन भैंसलाना , दुलीचंद प्रजापत, मालचंद कुम्हार, आशीष मंढा, सोहन मंढा,बाबूलाल सुकालपूरा, नंदकिशोर फुलेरा, तुलसीराम भैसलाना, प्रकाश पचकोडिया, सीताराम सरस्वा जोबनेर, गोपाल होदकस्या जोबनेर, मदन प्रजापति मंढा, बनवारी मारवाल रेनवाल सहित अनेक गणमान्य समाजबंधु उपस्थित रहे।

अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ पहुंचा सीकरी

सीकरी. कासं। अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ के सीकरी पहुंचने पर कस्बे में बड़े धूमधाम से रथयात्रा निकाली गई। जैन समाज के मीडिया प्रभारी पुष्पेन्द्र जैन ने बताया कि भगवान ऋषभदेव की जन्मभूमि अयोध्या से आर्यिका ज्ञानमति माताजी द्वारा सम्पूर्ण देश की जैन समाज के बीच तीर्थ प्रभावना के लिए 11 जुलाई को रवाना किए गए तीर्थ प्रभावना रथ का गुरुवार देर शाम गोविन्दगढ से सीकरी कस्बे में आगमन हुआ और शुक्रवार प्रातः सर्वप्रथम जैन मंदिर जी में धर्म सभा आयोजित हुई जिसमें रथ के संचालक पं. सतेन्द्र जैन जबलपुर ने अयोध्या तीर्थ क्षेत्र के महत्व व विकास की योजनाओं के बारे में बताया और रथ के साथ आए अजीत शास्त्री टीकमगढ़ वालों ने मंगलाचरण किया। इसके बाद जैन मंदिर जी से मुख्य बाजार होते हुए बड़े धूमधाम से रथयात्रा निकाली गई जिसमें सौधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य प्रकाश चंद नरेंद्र जैन व कुबेर बनने का प्रकाश चंद प्रदीप जैन को प्राप्त हुआ और आरती व पालना झुलाने का सौभाग्य नरेश चंद दिनेश चंद नेताजी परिवार को प्राप्त हुआ। रथयात्रा का कस्बे में जगह जगह आरती व स्वागत किया गया। इस मौके पर समाज के सभी महिला पुरुष व बच्चें उपस्थित रहे। रथयात्रा समाप्ति के बाद रथ को पहाड़ी के लिए रवाना कर दिया गया। **भारत भ्रमण कर तीन साल बाद वापस पहुंचेगा अयोध्याः** अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ के संचालक पं सतेन्द्र जैन ने बताया कि अभी तक अयोध्या भगवान राम के लिए जानी जाती हैं यह जैन धर्म के 5 तीर्थंकरों की जन्मभूमि भी है। अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ का उद्देश्य अयोध्या जैन तीर्थ क्षेत्र का अपनी समाज के बीच प्रचार प्रसार करना है। अयोध्या में भगवान ऋषभदेव के भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है जिसका भूमि पूजन इसी साल फरवरी में हो चुका है और तीन वर्षों में इस मंदिर का निर्माण होगा। यह रथ सम्पूर्ण भारत का भ्रमण कर तीन साल में वापस अयोध्या पहुंचेगा।

अपने से लड़ो, अपनों से नहीं : आर्यिकाश्री विज्ञाश्री माताजी

गुंशी, निवाई. शाबाश इंडिया। प.पू. भारत गौरव आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ के पावन सान्निध्य में श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ , गुन्सी तह. निवाई जिला - टोंक (राज.) में आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य प्रेमचन्द टोडारायसिंह रिखबचंद गायत्री नगर जयपुर एवं राकेश पुरुलिया वालों ने प्राप्त किया। मालवीय नगर से. 7 जयपुर की समाज ने मिलकर गुरु माँ की आहारचर्या निरन्तराय पूर्वक सम्पन्न करने का सौभाग्य प्राप्त किया। पूज्य माताजी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि - मानव जाति की कीमत धन दौलत , साधनों, परिवार , पुद्गल पदार्थ व पैसे से नहीं बल्कि साधना से है । विज्ञान ने हमें साधन दे दिए लेकिन साधना छुड़ा ली । माताजी ने कहा कि जिस प्रकार छाता बारिश हो नहीं रोकता लेकिन बरसात में चलने का हौसला बढ़ाता है उसी प्रकार मानव भी कर्मों को रोक नहीं सकता लेकिन पुण्य के उदय में कर्म को सहन करने की ताकत आ जाती है । पुरुषार्थ करने वालों की कभी हार नहीं होती। यदि आप वीर हो तो कषाय व कर्मों से लड़ना सीखो परिवार और पड़ोसी से नहीं । कर्मों से लड़कर केवलज्ञान प्राप्त करो । संतों की संगति से करोड़ भव का पाप कटता है । जैसे हाथी के पैर पड़ने से टमाटर चकनाचूर हो जाता है वैसे ही संतो के वचनों के द्वारा हमारे पाप कर्म चकनाचूर हो जाते हैं।

जे के चावला की देह का दान किया एस एम एस मेडिकल को

जयपुर. शाबाश इंडिया। पूर्व आयकर अधिकारी जेके चावला के आकस्मिक निधन पर पार्थिव शरीर को उनकी इच्छानुसार सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज को देहदान की। उनके पुत्र अशोक,डॉ.राजा व मनोज ने पूज्य पिताजी के पार्थिव शरीर को एनाटोमी विभाग के डॉ.धीरज माथुर व डॉ.सीमा गुप्ता को सौंपा। इस मौके पर उपस्थित जनों ने पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि दी।

वेद ज्ञान

क्रोध अग्नि के समान है

क्रोध एक मनोभाव है और यह लगभग हर व्यक्ति को चपेट में लेता है। ध्यान देने वाली बात यह है कि क्रोध जब हमारे नियंत्रण में नहीं रहता है तो यह विनाशकारी हो जाता है और तब यह हमारे जीवन को हर तरह से प्रभावित करता है। एक निश्चित सीमा में रहकर क्रोध करना मनुष्य के अस्तित्व की रक्षा के लिए आवश्यक है। हालांकि क्रोध को दर्शाने का सबसे स्वस्थ तरीका यही है कि आक्रामक हुए बगैर अपने क्रोध के भाव को दृढ़तापूर्वक अभिव्यक्त करना। इसका मतलब यही हुआ कि आप अपने व्यवहार में संयम बरतें। आप क्रोध दिलाने वाले कारणों से छुटकारा नहीं पा सकते, लेकिन क्रोध आने पर आप अपनी उग्र प्रतिक्रियाओं पर नियंत्रण जरूर कर सकते हैं। महात्मा बुद्ध कहते हैं कि मैंने पाया कि अद्भुत हैं वे लोग जो दूसरों की भूल पर क्रोध करते हैं। अद्भुत इसलिए कि भूल दूसरा करता है और दंड वे स्वयं को देते हैं। मैं आपको गाली दूं और आप क्रोधित होंगे। आप क्रोध में जलते हैं, राख होते हैं, लेकिन ध्यान इस ओर नहीं जाता है। क्रोध में व्यक्ति को कुछ नहीं सूझता है और वह अपना होश खो बैठता है। शास्त्रों में क्रोध की तुलना अग्नि से की गई है। यानी अग्नि का कार्य जलाने का है वैसे ही क्रोध मनुष्य को जला देता है। महात्मा बुद्ध कहते हैं कि जो लोग काम, क्रोध और ईर्ष्या का त्याग कर देते हैं वे निर्वाण पाते हैं। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार क्रोध पर नियंत्रण पाने के कई उपाय हैं। इनमें से एक उपाय है कि जब आपको क्रोध आए तो उस व्यक्ति को धन्यवाद दें, जिसकी वजह से आपको क्रोध आया। ऐसा इसलिए, क्योंकि उसने आप पर कृपा की कि आपको आत्मनिरीक्षण का मौका दिया। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार उस व्यक्ति को यह कहकर आप वहां से चले जाइए कि मित्र धन्यवाद अपने क्रोध पर ध्यान केंद्रित करके मैं कुछ समय बाद लौटता हूं। इसके बाद आप अपने को एक कमरे में बंद कर लें। आपको भयंकर क्रोध आ रहा है तो उसे आने दें। आपके हाथ-पैर-छाती तन रही है तो इन्हें तन जाने दें। इस बीच जो हो रहा है उसे रोकें नहीं, बल्कि प्रकट होने दें। यही है क्रोध।

संपादकीय

हिमाचल से सबक लेने का समय

हिमाचल प्रदेश में इस वर्ष बरसात की वजह से जो हुआ है, उसने न केवल इस राज्य की समूची आबादी को, बल्कि देश के बाकी हिस्सों में भी सबको यह सोचने पर मजबूर किया है कि इसकी वजहें क्या हैं और अब आगे क्या करना है। राज्य में पहाड़ी इलाकों से गुजरने वाली नदियों का पानी इस स्वरूप में दिखा मानो कोई प्रलय हो और उसमें सब कुछ तबाह हो जाएगा। नदियों के विकराल रुख की वजह से हिमाचल प्रदेश में बेतरतीब विकसित हुए व्यावसायिक और रिहाइशी इलाकों में जिस पैमाने पर नुकसान हुआ, उसके समांतर ही बड़े पैमाने पर सड़कों की तबाही के मंजर ने यह बताया है कि अगर प्रकृति की सामान्य गति में बाधा पैदा की जाएगी तो उसके नतीजे क्या हो सकते हैं। अकेले हिमाचल प्रदेश में करीब आठ हजार करोड़ रुपए के नुकसान का आकलन किया गया है। केंद्र और राज्य सरकार के बीच तालमेल से जरूरत भर राशि की व्यवस्था संभव हो जा सकती है, लेकिन इस बार की बाढ़ और बारिश से जिस पैमाने पर जनजीवन तहस-नहस हुआ, उसे फिर से पटरी पर आने में शायद लंबा वक्त लगे। अन्य पहाड़ी राज्यों की तरह हिमाचल प्रदेश प्रकृति और पर्यटन की दृष्टि से खूबसूरत राज्य रहा है। पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था का एक मुख्य आधार भी है। इस क्रम में पर्यटकों को खींचने वाली अमूमन सभी जगहों पर जिस तरह के निर्माण हुए हैं, रिहाइश से लेकर होटलों और व्यावसायिक परिसरों की शृंखला खड़ी हुई, उसने राज्य की नदियों के सामान्य प्रवाह को बुरी तरह बाधित किया। होटलों और सड़क निर्माण के मामले में सबसे बुनियादी पहलुओं की भी अनदेखी की गई और यह तक ध्यान रखना जरूरी नहीं समझा गया कि नदी के प्रवाह से कितनी दूरी तक कोई निर्माण नहीं करना चाहिए। नतीजा यह हुआ कि इस बार जब भारी बारिश के पानी का बोझ नदियों पर पड़ा तो उसने मुख्य प्रवाह के आसपास के इलाकों को तबाह किया। खासतौर पर मनाली से मंडी के बीच ब्यास नदी में तेज रफ्तार से आ रहे पानी में कई मकान, वाहन, जानवर और होटल बह गए। राष्ट्रीय राजमार्गों की तबाही से पता चला कि रफ्तार और आवाजाही की सुविधा में इजाफा करने के लिए बनाई गई चार लेन की अच्छी सड़कें दरअसल किस संकट को न्योता दे सकती हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के एक अध्ययन के मुताबिक कुछ साल पहले हिमाचल में एक सौ अठारह हाइड्रो परियोजनाएं चल रही थीं, जिनमें सड़सठ ऐसी जगहों पर हैं, जहां पहाड़ कभी भी खिसक सकते हैं। इसमें कोई शक नहीं कि विकास वक्त की जरूरत होते हैं। लेकिन अगर इसमें संतुलन का ध्यान नहीं रखा जाता है तो उसके नतीजे क्या सामने आ सकते हैं, हिमाचल की त्रासदी ने यही बताया है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सैन्य गतिरोध

इसमें दो राय नहीं कि भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों का सहज और दोस्ताना होना न केवल दोनों देशों और इस समूचे क्षेत्र के लिए, बल्कि विश्व के लिए महत्त्वपूर्ण है। लेकिन ऐसा तभी संभव है कि भारत और चीन, दोनों की ओर से इसके लिए हर संभव कदम उठाए जाएं, विवाद के बिंदुओं पर सद्भावपूर्ण माहौल में हल निकाला जाए। मुश्किल यह है कि सीमा विवाद से लेकर अन्य तमाम मुद्दों पर भारत अपनी तरफ से तो विवाद के हल के लिए कदम बढ़ाता है, लेकिन हर कुछ समय के अंतराल पर चीन कोई न कोई ऐसी हरकत कर बैठता है, जिससे संबंधों में सुधार की राह में अड़चन पैदा होती है। खासतौर पर सीमा पर आए दिन चीन की ओर से जैसी अवांछित गतिविधियां की जाती हैं, उससे उसकी मंशा का पता चलता है। फिर भी भारत ने आवेश में आकर कभी अपना नियंत्रण नहीं खोया है और इसकी कोशिश यही होती है कि समस्या को जटिल बनाने के बजाय उसके हल की ओर बढ़ा जाए। सवाल है कि भारत के इस रुख के बावजूद सीमा पर घुसपैठ से लेकर गैरजरूरी सैन्य गतिविधियों के जरिए चीन आखिर क्या संदेश देना चाहता है! जाहिर है, ऐसी स्थिति में संबंधों में सुधार की जमीन कमजोर ही होती है। इसलिए भारत ने चीन को स्पष्ट रूप से यह बताया है कि दोनों देशों के रिश्तों में अगर सहजता नहीं आ पा रही है तो इसकी वजह है। दरअसल, दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में ''फ्रेंड्स आफ ब्रिक्स'' की बैठक से इतर सोमवार को भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने चीन के शीर्ष राजनयिक वांग यी से मुलाकात के दौरान दो-टूक लहजे में कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर लगातार टकराव की स्थिति बने रहने के कारण भरोसा टूटा है और पश्चिमी क्षेत्र में स्थिति ज्यादा बिगड़ी है। उन्होंने कहा कि इन्हीं हालात की वजह से 2020 के बाद से भारत और चीन के बीच सार्वजनिक और राजनीतिक संबंध कमजोर हुए हैं और भरोसे में कमी आई है। यों भी वास्तविक नियंत्रण रेखा को ऐसा क्षेत्र माना जाता है, जिस पर तनाव के हालात में दो देशों के संबंध खराब भी हो जा सकते हैं। लेकिन भारत के धीरज की परीक्षा चीन अक्सर लेता रहता है और गलत तरीके से उकसाता रहता है। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में पिछले करीब तीन साल से सैन्य गतिरोध जारी है। इसके अलावा, अरुणाचल प्रदेश में भी चीन की अवांछित घुसपैठ की कोशिश की खबरें आती रही हैं। ऐसे में भारत के सामने स्थिति स्पष्ट करने के अलावा कोई चारा नहीं रह जाता है। फिर भी भारत ने हमेशा ही सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन बहाली की कोशिश को जारी रखने पर ही जोर दिया है, क्योंकि सिर्फ इसी के जरिए द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने की राह में आई बाधाओं को दूर किया जा सकता है। हाल ही में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी वांग यी के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन-चैन से संबंधित लंबित मुद्दों पर बातचीत की थी। भारत के इस पक्ष को समझा जा सकता है कि जब तक सीमा क्षेत्र में शांति कायम नहीं होगी, तब तक द्विपक्षीय संबंधों का सामान्य होना मुश्किल है। जाहिर है, यह एक तरह से चीन पर ही निर्भर है। अगर चीन की ओर से दोनों देशों के बीच आपसी रणनीतिक विश्वास बढ़ाने की सदिच्छा जाहिर की जाती है तो इसके लिए उसकी ओर से ईमानदार इच्छाशक्ति का प्रदर्शन भी जरूरी है।

चाकसू महिला मंडल ने किये लाडनूं जैन मंदिरों के दर्शन

राज पाटनी. शाबाश इंडिया

लाडनूं। लाडनूं के जैन मंदिर अपनी प्राचीनता भव्यता व कला वैभव के कारण देशभर के श्रद्धालुओं के लिए श्रद्धा व आकर्षण के केंद्र रहे हैं। इसी क्रम में श्री दिगम्बर जैन महिला मंडल चाकसू से आये यात्रियों के दल ने लाडनूं के जैन मंदिरों के दर्शन किए। लगभग 25 महिला यात्रियों के इस दल ने यहां के विभिन्न मंदिरों के दर्शन के बाद बताया कि वे यहां के मंदिरों की प्राचीनता भव्यता व कलात्मकता से अत्यंत प्रभावित हुए है और उन्होंने कहा कि वे आगे भी बार-बार लाडनूं के जिनालयों के दर्शन के लिए आना चाहेंगे।

आचार्य आर्जव सागर जी महाराज ने कहा...

संयम के साथ शुभ भावना करते रहना चाहिए सुभाष गंज मैदान में हो रही है धर्मसभा

तेरह चौदह अगस्त को होगा चिकित्सक सम्मेलनः विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

संयम के साथ शुभ भावना करते रहना चाहिए जिससे आप आर्त रौद्र ध्यान से बचने रहे हमारे मन में चौबीस घंटे आर्त रौद्र ध्यान चलता रहता है इसने मुझसे ऐसा कह दिया उसके पैसे नहीं आये फलां व्यक्ति मुझे भला बुरा कह रहा था मैं उसे छोडूंगा नहीं तरह तरह के आर्त रौद्र ध्यान हमारे मन में चलते रहते हैं और हमें पता ही नहीं चलता बैठे तो हम धर्म सभा में हैं और मन विदेश में हुई घटना के क्या परिणाम निकलेंगे उससे किसको हानि लाभ होगा इसमें लगा है इन सब से वचने के लिए मन पर संयम रुपी लगाम लगाना जरूरी है हमारा मन वाहन भटकने ना पायें हमारे ही पास रहें तव ध्यान की भूमिका वनेगी उक्त आश्य के उद्गार आचार्य श्रीआर्जवसागर जी महाराज ने सुभाषगंज मैदान में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। समारोह का संचालन करते हुए मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि आचार्य श्री आर्जवसागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में आगामी तेरह चौदह अगस्त को चिकित्सकों का सम्मेलन होगा जो हमारी प्राचीन आर्य वेद चिकित्सा से संबंधित

होगा इस चिकित्सा सम्मेलन में वाहर से चिकित्सकों का समूह हमारे नगर पधारकर आयुर्वेद चिकित्सा के संवंध में अपने लेखों का वाचन करेंगे और आयुर्वेद चिकित्सा के संवंध में हमें नई नई जानकारी देंगे इस सम्मेलन में स्थानीय चिकित्सको भी आमंत्रित किया जायेगा इसके पहले धर्म सभा में मंगल गान राजेश कासंल ने व आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल थूवोनजी तीर्थ के महामंत्री विपिन सिंघई पंचायत सदस्य प्रदीप तारई टिकंल जैन नितिन बज सहित अन्य भक्तों ने किया आचार्य श्री की पूजन का सौभाग्य श्री विद्यासागर महिला मंडल को मिला।

जैन मिलन ने बच्चों को स्टेशनरी वितरित की

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना । जैन मिलन बर्धमान ने शासकीय विद्यालय में बच्चों को स्टेशनरी वितरित की। जैन मिलन बर्धमान की क्षेत्रीय संयोजिका सरिता जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि जैन मिलन की सभी सदस्याएं शासकीय नवीन विद्यालय हाई स्कूल क्रमांक एक पहुचकर कक्षा एक एवम कक्षा दो के विद्यार्थियों को पैन, पेंसिल, कॉपी सहित स्टेशनरी का सामान प्रदान किया। महिलाओं ने बच्चों से पढ़ाई एवम भोजन संबंधी जानकारी भी ली । बच्चों ने बताया कि हमें लंच में रोटी, सब्जी, चावल एवम कभी कभी खीर भी मिलती है । जैन मिलन की ओर से बच्चों को बिस्कुट व टॉफी भी वितरित की गई। इस अवसर पर जैन मिलन की क्षेत्रीय संयोजिका सरिता जैन, अध्यक्षा रूबी जैन, सचिव दीपिका जैन, कोषाध्यक्ष सुप्रिया जैन, रीना जैन, आरती जैन सहित अन्य सभी सदस्याएं उपस्थित थी ।

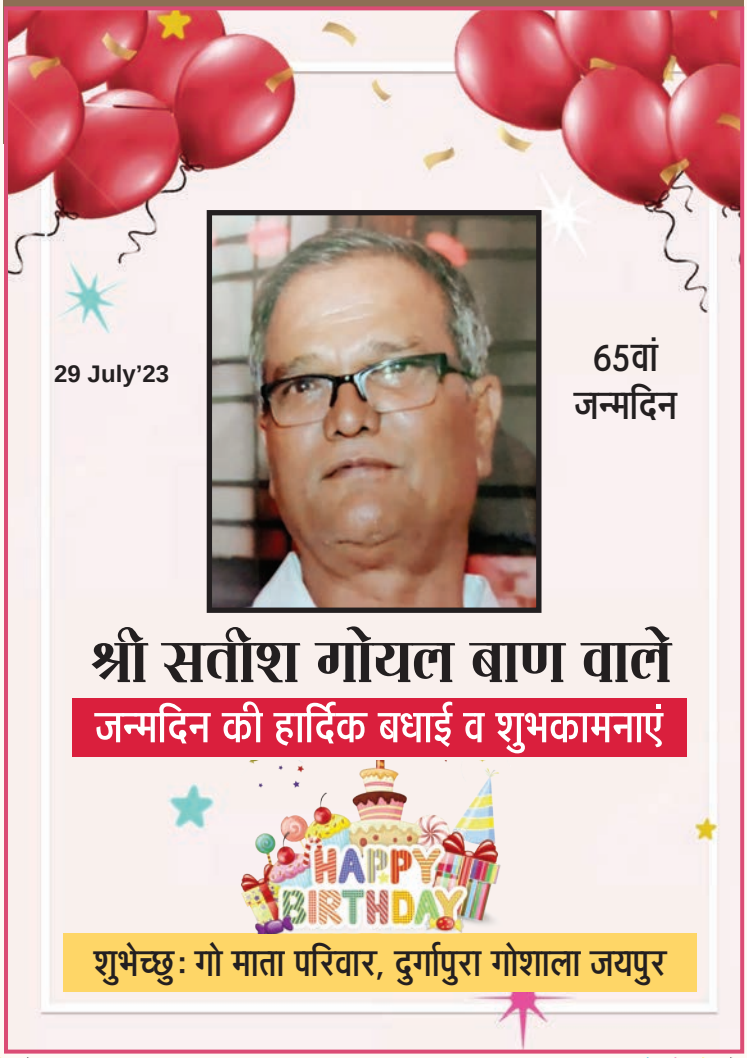

जब प्रशासन ही अतिक्रमण करे, जनता को राहत कहां से मिले

जय जवान उद्यान के पास कमल गट्टा कॉलोनी का मामला, हैरिटेज नगर निगम ने कॉलोनी को बनाया गोदाम, अब राहगीरों को सड़कों में निकलने से हो रही है परेशानी

जयपुर. शाबाश इंडिया। पिंकसिटी के नाम से विख्यात शहर की धरोहरें और पहचान अतिक्रमण का लगातार शिकार हो रही है और यह अतिक्रमण कोई ओर नही बल्कि नगर निगम हैरिटेज का प्रशासन खुद कर रहा है, जिसके चलते कॉलोनी में रह रहे लोगों को सकड़े रास्तों, गंदगी और बदबुओ को झेलने पर पर मजबूर होना पड़ रहा है। मानसून सर माथे पर है, डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड, बुखार, आई-फ्लू जैसी बीमारी लगातार पांव पसार रही है उसके बावजूद कोई ध्यान देने को तैयार नहीं है। इस बार मामला विख्यात गोविंददेव जी मंदिर और जय जवान उद्यान के पास स्थित कमल गट्टा कॉलोनी का है जहां नगर निगम हैरिटेज की अतिक्रमण शाखा द्वारा शहर भर से जब्त किए समानों को रखने का अस्थाई गोदाम बना रखा है जिससे कॉलोनी के निवासियों को बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अनेकों बार कॉलोनी वासियों ने नगर निगम प्रशासन को इस समस्या के समाधान को लेकर पत्र भी लिख दिए किंतु आज तक कोई सुनवाई नहीं हो रही है। राधा रमण मंदिर के पंडित हरिनाम दास महाराज बताते है की कॉलोनी में अस्थाई गोदाम बनाने के कारण अनेकों बार कुछ समय के लिए सामान बाहर भी छोड़ दिया जाता है, जिसके चलते आम रास्ता भी सकड़ा हो गया और अब जब बरसात का मौसम चल रहा है तो पानी भरने के कारण कीड़े-मकोड़े सहित सांप-बिच्छुओं की शरण स्थली भी बन गई है। जिससे कोलोनिवासियों की जान-माल सहित मौसमी बीमारी, कूड़े-गंदगी से बच्चों तक का जीवन प्रभावित हो रहा है। जिसके चलते कॉलोनी के लोग आक्रोशित है। संयुक्त अभिभावक संघ प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया की शहर में प्रशासन के ऐसे हाल हो तो जनता में अतिक्रमण को लेकर कैसे सुधार होगा। अगर प्रशासन ही अतिक्रमण करेगा तो आमजन को कहा से राहत मिलेगी। नगर निगम हैरिटेज को कोलोनिवासियो के जीवन और मानसून से हो रही बरसात से होने वाली मौसमी बीमारी पर अपना ध्यान लगाना चाहिए और नागरिकों को राहत देनी चाहिए। नगर निगम की जिम्मेदारी है शहर को साफ सुथरा रखने की अगर वही दुर्दशा फेलायेगी तो देश ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में जयपुर हैरिटेज का अपमान होगा। शहर की बदनामी होगी। जल्द से जल्द नगर निगम को कॉलोनी से अस्थाई गोदाम को हटाना चाहिए और सफाई व्यवस्था को दुरुस्त कर नागरिकों को मौसमी बीमारी से बचाना भी चाहिए।

मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज ने कहा...

गुरु जब हमें पापी शब्द बोले तो अपना सौभाग्य समझे गुरु ने हमें पापी कहा

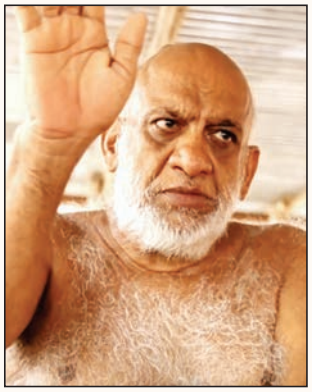

आगरा. शाबाश इंडिया। पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि श्री 108 सुधासागर जी महाराज जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि गुरु जब हमें पापी शब्द बोले तो उन्होंने हमें 40 गुना अच्छा बनाने के लिए यह शब्द कहा है, और अपना सौभाग्य समझे कि गुरु ने हमें पापी कहा है ।इस पर उन्होंने विशेष प्रकाश डाला और कहा कि गुरुजी पापी कह रहे हैं तो गुरु के पापी कहने पर लोग गुरु की गुरुता पर सवाल उठाते है। एक उदाहरण के माध्यम से महाराज श्री ने समझाया की एक माता अपने बेटे को रोटी नही खिलाती है,बेटा कहता है माता मुझे दुखी करने के लिए रोटी नहीं दी। जबकी माता ने उसे बेटा सुखी रहे इसके लिए रोटी नहीं दी,ऐसा ही किसान अच्छे बीज को खेत में डालते है वहां खाद जो गन्दी होती हैं उसमे बीज जब डालते हैं तब अच्छी फसल लहराती हैं। ऐसे ही गुरु जब पापी शब्द बोलते तो गुरू हमे 40 गुना अच्छा बनाने के लिए है पापी बोला सौभाग्य समझे गुरु ने पापी कहा। उन्होंने अभाव में सद्भाव रखने की बात कही और कहा -सकारात्मक सोच है तो हम जीवित रहगें अभाव मे सद्भाव की अनुभूति होना, प्रतिकूलता मे सद्भाव, और नाग में हार कर दे हमारे में ऐसी शक्ति हैं। सीता जी का उदाहरण देते हुए कहा कि सीताजी आग में कुदी आग की लपटों से शरीर जल गया। उन्होंने कहा अग्नि कभी शीतल नहीं हो सकती है। भगवान,गुरु भी अग्नि को शीतल नही कर सकती है। स्वयं की शक्ति ही अग्नि को नीर कर सकती है।

संकलन: अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी

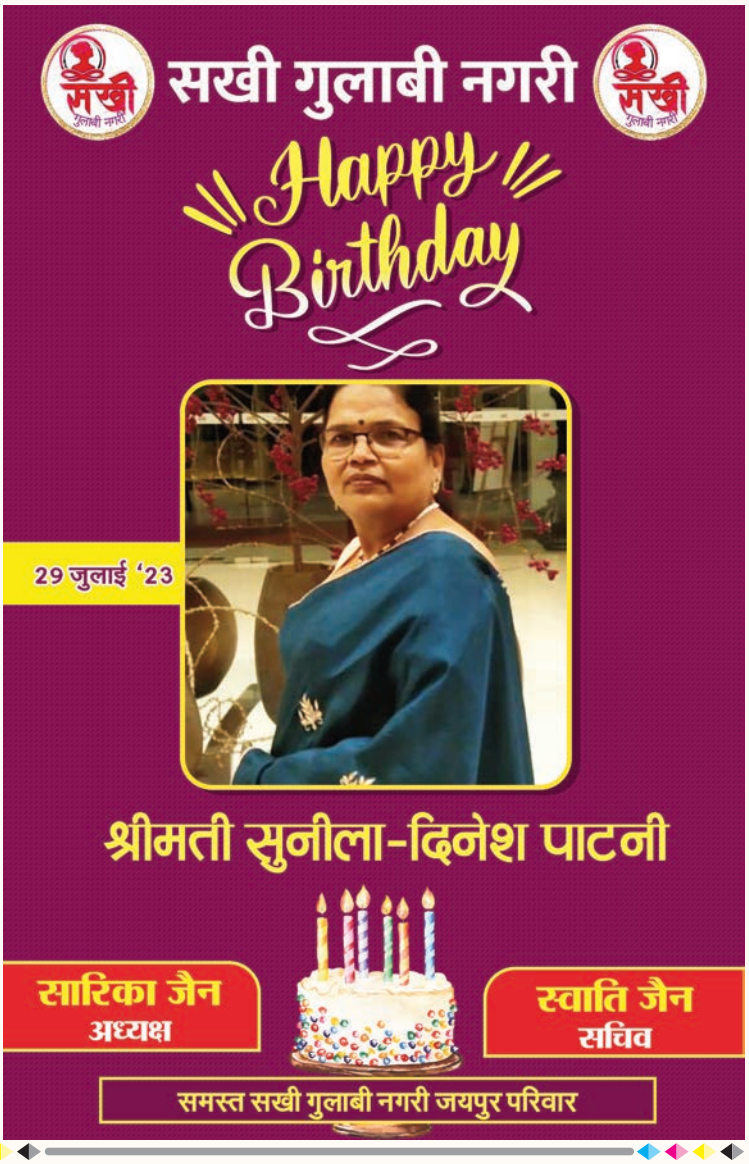

महावीर इंटरनेशनल युवा केंद्र द्वारा महेंद्र चौधरी का प्रशस्ति पत्र भेंट

जयपुर. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल युवा केंद्र द्वारा महेंद्र चौधरी का प्रशस्ति पत्र भेंट कर स्वागत किया गया राजस्थान राज्य श्रमण संस्कृति बोर्ड का गठन किया जाने के उपलक्ष्य में आज महावीर इंटरनेशनल युवा केंद्र के तत्वाधान में राजस्थान सरकार में उप मुख्य सचेतक एवम नावां विधानसभा से विधायक महेंद्र चौधरी का उनके निवास स्थान पर जाकर प्रशस्ति पत्र भेंट कर एवम साफा व माला पहनाकर स्वागत किया गया। महावीर इंटरनेशनल के अध्यक्ष रामावतार गोयल ने बताया की इस दौरान चितावा सरपंच सुभाष अजमेरा, नव मनोनीत पार्षद रफीक खान, युवा केंद्र अध्यक्ष आनन्द सेठी, सचिव अजीत पहाड़िया, युवा सचिव विकास पाटनी, जितेंद्र पारस अर्पित अमित पहाड़िया, तेजकुमार बड़जात्या, अशोक अजमेरा, सुरेश गंगवाल, विशाल शुभम नीरज काला, राहुल झांझरी, गौरव अभिषेक पाटनी, प्रियांशु डोसी उपस्थित रहे। सभी ने विधायक जी द्वारा करवाए गए विकास कार्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा करी।

एम्बीशन किड्स ने ओरेंज डे किया सेलीब्रेट

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्योपुर रोड़ स्थित एम्बीशन किड्स एकेडमी के बच्चों ने शुक्रवार को ऑरेंज डे सेलीब्रेट कर विद्यालय को नारंगीमय कर दिया। कोरोना काल के दो साल बाद व्यवस्थित रूप से प्रारंभ हुए स्कूल की छटा देखते ही बनती थी। नारंगी रंग के परिधानों में सजे बच्चे ज्यादातर नारंगी रंग से जुड़े खाद्य पदार्थ ले कर आए थे। बच्चे नारंगी रंग के परिधान पहनने के साथ साथ संतरा, इमरती, गाजर हलवा, रूमाल, हेयर बैंड , टिफिन, बोतल, पेंसिल बाक्स - फिरकी सभी कुछ नारंगी रंग के लेकर आए थे। उपाचार्या अनीता जैन ने बताया कि एम्बीशन एक्टिविटी कक्ष को विशेषकर नारंगी गुब्बारों से सजाया गया था। इसमें टीचर ऊषा माथुर , किरण सैन , अनिता सक्सेना, कोमल , नयना खण्डेलवाल, टीना , निरुपमा , रिया माथुर ,भूमि आदि ने नारंगी रंग के कलात्मक क्राफ्ट आइटम बनाकर बच्चों को नारंगी रंग से अवगत कराया। ऑरेंज डे एक्टिविटी में छात्रों ने अध्यापकों के साथ

मिलकर पोयम भी गाया । प्रिंसिपल डॉ. अलका जैन ने बच्चों को रंगों की महत्ता के बारे में बताया और कहा कि हर रंग का एक सांकेतिक अर्थ भी होता है। उन्होंने कहा कि नारंगी रंग चंद्रमा का रंग माना जाता है। यह एक प्रेरित करने वाला रंग है। ओरंज रंग को हिम्मत और बलिदान का प्रतीक भी माना जाता है । अन्त में चेयरमैन डॉ. एम. एल जैन 'मणि' ने बच्चों को ऑरेन्ज कलर गिफ्ट प्रदान कर आशीर्वाद दिया।

अल्पसंख्यक वर्ग की मांगों को लेकर वित्त आयोग के अध्यक्ष से की भेंट

जयपुर. शाबाश इंडिया

अल्पसंख्यक वर्ग की मांगों का समाधान करवाने के लिए राजस्थान जैन युवा महासभा एवं राजस्थान समग्र जैन युवा परिषद् के प्रतिनिधि मण्डल ने महासभा के प्रदेशाध्यक्ष प्रदीप जैन 'लाला' एवं परिषद् अध्यक्ष जिनेन्द्र जैन के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मण्डल ने राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष प्रधुम्न सिंह बोहरा से मुलाकात कर युवा परिषद् ने अपना 9 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा और अल्पसंख्यक वर्ग की मांगों का समाधान करवाने के लिए अनुरोध किया ' इस पर पूर्व वित्त एवं गृहमंत्री और सर्वश्रेष्ठ विधायक सम्मान से सम्मानित जननायक प्रद्युम्न सिंह बोहरा ने युवा महासभा एवं युवा परिषद् के पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि अल्पसंख्यक वर्ग की मांगों को लेकर मै विधायक रोहित बोहरा से चर्चा कर मुख्यमंत्री महोदय को अवगत करवाकर मांगों का समाधान करवाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर ऑल इण्डिया जैन जर्नलिस्ट एशोसियेशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी माणककमल भंडारी और राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष के समक्ष प्रस्तुत किए गए मांग पत्र के प्रमुख बिन्दु निम्न प्रकार है -

1.अल्पसंख्यक वर्ग के सभी धार्मिक स्थल जैसे मंदिर,मस्जिद,जैन भवन, धर्मशाला,स्थानक,विवाह स्थल इत्यादि पर बिजली व पानी निःशुल्क उपलब्ध करवाया जाए।

2.देवस्थान व वक्फ बोर्ड के अधीन आने वाली अल्पसंख्यक समाज के सभी सम्पत्तियों को मुक्त कराया जाये या जो उनके अधीन नही रहना चाहते है उन्हें उनसे मुक्त कराया जाये।

3.अल्पसंख्यक वर्ग के सभी तीर्थों मंदिरों,मस्जिदों की सुरक्षा राज्य सरकार द्वारा सुनिश्चित की जाए।

4.अल्पसंख्यक वर्ग के सभी तीर्थों, मंदिरों व मस्जिदों की मूलभूत सुविधा व मार्गो को विकसित करे वहाँ पर पहुँचने के लिये अधिक ट्रैनों का संचालन करे जिससे अधिक से अधिक यात्री वहाँ पर पहुँच सके।

5. स्थानीय निकाय और पंचायती राज एवं नगरीय निकाय द्वारा अल्पसंख्यक वर्ग द्वारा संचालित किसी भी संस्था से किसी भी प्रकार का कर (टैक्स) अथवा शुल्क नही लिया जाये।

इस अवसर पर संरक्षक अशोक बांठिया,युवा समाज सेवी अमन जैन कोटखावदा आदि कई पदाधिकारी मौजूद थे।

एम्बीशन किड्स एकेडमी में निःशुल्क आई फ्लू कैम्प का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान के आह्वान पर मानव सेवार्थ पखवाडे के अन्तर्गत दिनांक 28 जुलाई को दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर जयपुर ने मानव सेवार्थ जयपुर में फैल रहे आईफ्लू की तुरंत रोकथाम के लिए एक वृहद निःशुल्क कैम्प श्योपुर रोड पर स्थित ऐम्बीशन किड्स ऐकेडमी स्कूल परिसर में लगाया। इस कैम्प में निःशुल्क सेवा-दवा का आयोजन तीर्थंकर ग्रुप के अध्यक्ष डां.एम.एल जैन ''मणि'' (अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त होम्योपैथ) -डां शान्ति जैन 'मणि' ने किया। सर्व प्रथम एम्बीशन किड्स के सभी बच्चों का चैकअप कर आई फ्लू की प्रिवेंटिव व क्यूरेटिव दवा का वितरण किया गया। उसके बाद बच्चों के अभिभावकों, रिश्तेदारों,व आम जनता के सदस्यों का चैकअप व दवा का प्रबंध किया गया तथा बिमारी से बचाव के बारे में निर्देश दिए गए। इसी बीच में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान के अध्यक्ष श्री राजेश बडज्याता व श्री सुनिल बज पधारें व कैम्प का सुन्दर आयोजन देख प्रसन्न हुये व आयोजकों को बधाई दी। इस कैम्प की सम्पूर्ण व्यवस्था एम्बीशन किड्स के निदेशक डां मनीष जैन एवं प्रिंसिपल डां अलका जैन ने की। मरीजों को देखने व दवा देने का कार्य उपप्राचार्या अनीता जैन व भूमि मैम ने किया। इस पुनीत कार्य में समस्त स्टाफ का योगदान रहा। डॉ. मणि अपने चिकित्सालय पर 24घंटे आई फ्लू की दवा का निःशुल्क वितरण कर रहे हैं जिसमें इनके परिवार का पूर्ण सहयोग है।

अंग डोनेशन के लिए चलाएंगे विशेष अभियान

जयपुर. कासं। प्रदेश में अंगदान को बढ़ावा देने के लिए मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट पहली बार बड़े स्तर पर एक अभियान चलाएगा। 15 दिन चलने वाले इस अभियान में स्कूल, कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल के अलावा स्वयं सेवी संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को जोड़ा जाएगा, ताकि ये आमजन में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहयोग दे। आज स्वास्थ्य भवन में मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक हुई, जिसमें वीसी के जरिए प्रदेशभर के सरकारी मेडिकल कॉलेजों के प्रतिनिधियों और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएमएचओ) को जोड़ा गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com